

SHRI HUKAMCHAND PATIDAR

Shri Hukamchand Patidar is an agriculturist from Rajasthan. He is the founder of Swami Vivekanand Jaiwik Krishi Anusandhan Kendra working to promote organic farming and to take the organic products to the international market.

2. Born on January 01,1957 in Village Manpura (Rajasthan), Shri Patidar could not get much formal education due to the weak education system in the village. In 2003, he decided to create an agricultural farm based on biological model. He understood the mysteries of vegetation and created a modal including all aspects from organic production to its marketing. He came to the conclusion that it is only the farmer who should have all the training and education i.e. from seed to marketing. His market based farm has got appreciation in India and abroad. People from various countries have been visiting his farm to understand his way of farming and marketing. Thousands of farmers have been trained in organic farming and marketing under his able guidance.

3. Shri Patidar has been associated with various organisations in different capacities like Pradesh Pramukh, Bhartiya Kisan Sangh, Board of Directors, National Horticulture Board etc.

4. Shri Patidar has received various honours and awards including District level award 2011; State level award in Global Agro Meet 2016; Hadoti Gourav Samman in 2017 etc.

श्री हुकमचन्द पाटीदार



श्री हुकमचंद पाटीदार राजस्थान के किसान हैं। आप स्वामी विवेकानन्द जैविक कृषि अनुसंधान केन्द्र के संस्थापक हैं। आप जैविक खेती को प्रोत्साहन देने और जैविक उत्पादों को अंतर्राष्ट्रीय बाजार में ले जाने हेतु कार्य रहे हैं।

2. आपका जन्म 01 जनवरी, 1957 को मनपुरा गांव (राजस्थान) में हुआ था। गांव में अच्छी शिक्षा व्यवस्था उपलब्ध न होने के कारण आप कोई खास औपचारिक शिक्षा प्राप्त नहीं कर सके। वर्ष 2003 में, आपने जैविक मॉडल पर आधारित कृषि फार्म बनाने का निर्णय लिया। आपने वनस्पतियों के रहस्यों को समझा और जैविक उत्पादन से लेकर इसके विपणन तक के सभी पहलुओं को शामिल करते हुए एक मॉडल तैयार किया। आपने यह निष्कर्ष निकाला कि यह केवल किसान ही है जिसे बीज से लेकर विपणन तक समस्त प्रशिक्षण प्राप्त करना चाहिए। आपके बाजार आधारित फार्म को न केवल भारत और विदेशों में सराहा गया है बल्कि विभिन्न देशों से लोग आपके खेती और विपणन के तरीके को समझने हेतु आपके फार्म में आते रहे हैं। आपके कुशल मार्गदर्शन में हजारों किसानों को जैविक खेती और विपणन का प्रशिक्षण प्रदान किया गया है।

3. आप विभिन्न सस्थानों में प्रदेश प्रमुख, भारतीय किसान संघ, राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड के निदेशक मंडल आदि जैसे अलग-अलग पदों को संभाल रहे हैं।

4. आपको अनेक सम्मान एवं पुरस्कार प्राप्त हुए हैं जिनमें जनपद स्तरीय पुरस्कार 2011; ग्लबोल एग्रोमीट 2016 में राज्य स्तरीय पुरस्कार; वर्ष 2017 में हदोति गौरव सम्मान आदि शामिल हैं।